कृषि विज्ञान केंद्र, नई दिल्ली

साप्ताहिक मौसम पर आधारित कृषि सम्बंधी सलाह

मौसम सारांश-अगले पांच दिनों (25/08/2021 से 29/08/2021) के दौरान, दिनांक 27/08/2021 से 29/08/2021 को वर्षा होने की संभावना है। अगले पांच दिनों के दौरान हवा की गति 12 से 26 किमी प्रति घंटा रहने की उम्मीद है। इस अवधि के दौरान अपेक्षित अधिकतम तापमान 36 से 37 डिग्री सेंटीग्रेड और न्यूनतम तापमान 26 से 28 डिग्री सेंटीग्रेड रहेगा। अगले पांच दिनों में, अधिकतम सापेक्ष आर्द्रता 85 से 90 % और न्यूनतम 55 से 60 % होगी।

सामान्य सलाहकार: कोरोना (कोविड़-19) के गंभीर फैलाव को देखते हुए किसानों को सलाह है कि तैयार सब्जियों की तुड़ाई तथा अन्य कृषि कार्यों के दौरान भारत सरकार द्वारा दिये गये दिशा निर्देशों, व्यक्तिगत स्वच्छता, मास्क का उपयोग, साबुन से उचित अंतराल पर हाथ धोना तथा एक दूसरे से सामाजिक दूरी बनाये रखने पर विशेष ध्यान दें।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

1. इस मौसम में धान की फसल इस समय मुख्यत: वानस्पतिक वृद्वि की स्थिति में है अत: फसल में पत्ता मरोंड या तना छेदक कीटों की निगरानी करें। तना छेदक कीट की निगरानी हेतू फिरोमोन प्रपंच @ 3-4 /एकड़ लगाए।

2. इस मौसम में धान की फसल को नष्ट करने वाली ब्राउन प्लांट होपर का आक्रमण आरंभ हो सकता है अतः किसान खेत के अंदर जाकर पौध के निचली भाग के स्थान पर मच्छरनुमा कीट का निरीक्षण करें।

3. किसानों को सलाह है कि बाजरा मक्का, सोयाबीन व सब्जियों में खरपतवार नियंत्रण के

लिए निराई-गुड़ाई का कार्य करें। सभी दलहनी, मक्का व सब्जियों में जल निकास का उचित प्रबन्ध रखें।

4 इस मौसम में किसानों को सलाह है कि, गाजर (उन्नत किस्म- पूसा वृष्टि) की बुवाई मेड़ो पर करें। बीज दर 4.0-6.0 कि.ग्रा. प्रति एकड़। बुवाई से पूर्व बीज को केप्टान @ 2 ग्रा. प्रति कि.ग्रा. बीज की दर से उपचार करें तथा खेत तैयार करते समय खेत में देसी खाद और फास्फोरस उर्वरक अवश्य डालें।

5. सब्जियों में (टमाटर, मिर्च, बैंगन फूलगोभी व पत्तागोभी) फल छेदक, शीर्ष छेदक एवं फूलगोभी व पत्तागोभी में डायमंड़ बेक मोथ की निगरानी हेतू फिरोमोन प्रपंच @ 3-4/एकड़ लगाए |

6. जिन किसानों की टमाटर, हरी मिर्च, बैंगन व अगेती फूलगोभी की पौध तैयार है, वे मौसम को मध्यनजर रखते हुए रोपाई मेंडों (ऊथली क्यारियों) पर करें तथा जल निकास का उचित प्रबन्ध रखें।

7. इस मौसम में किसान ग्वार (पूसा नव बहार, दुर्गा बहार), मूली (पूसा चेतकी), लोबिया (पूसा कोमल), भिंडी (पूसा ए-4), सेम (पूसा सेम 2, पूसा सेम 3), पालक (पूसा भारती), चौलाई (पूसा लाल चौलाई, पूसा किरण) आदि फसलों की बुवाई के लिए खेत तैयार हो तो बुवाई ऊँची मेंड़ों पर कर सकते हैं। बीज किसी प्रमाणित स्रोत से ही खरीदें। जल निकास का उचित प्रबन्ध रखें।

8. कद्दूवर्गीय एवं अन्य सब्जियों में मघुमक्खियों का बडा योगदान है क्योंकि, वे परांगण में सहायता करती है इसलिए जितना संभव हो मघुमक्खियों के पालन को बढ़ावा दें। कीड़ों एवं बीमारियों की निरंतर निगरानी करते रहें, कृषि विज्ञान केन्द्र से सम्पर्क रखें व सही

जानकारी लेने के बाद ही दवाईयों का प्रयोग करें।

9. किसान प्रकाश प्रपंश (Light Trap) का भी इस्तेमाल कर सकते है। इसके लिए एक प्लास्टिक के टब या किसी बड़े बरतन में पानी और थोडा कीटनाशक दवाई मिलाकर एक बल्ब जलाकर रात में खेत के बीच में रखे दें। प्रकाश से कीट आकर्षित होकर उसी घोल पर गिरकर मर जायेंगें। इस प्रपंश से अनेक प्रकार के हानिकारक कीटों का नाश होगा।

10. गेदें के फूलों की (पूसा नारंगी) पौध जालघर में तैयार करें तथा जल निकास का उचित प्रबन्ध रखे।

11. फलों (आम, नीबू तथा अमरुद) के नऐ बाग लगाने के लिए अच्छी गुणवत्ता के पौधों का प्रबन्ध करके इनकी रोपाई शीघ्र करें।